Regarding agriculture land acquisition by builders for commercial purposes in Muzaffarpur district, Uttar Pradesh- Laid

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक **(**मुजफ़्फ़रनगर**) :** पूरे देश में किसानों की जमीन कौड़ियों के दाम पर अधिगृहित कर सरकार और उनके सत्तासीन लोगों द्वारा ऊँचे दामों पर बेची जाती हैं। सत्ता में बैठे लोगों को सरकारी योजना की जानकारी लीक कर दी जाती है जिससे ये लोग किसान से कौड़ियों के भाव पर जमीन खरीद कर उसका आवासीय प्लाट बनाकर व्यावसायिक तौर पर बेचते हैं| मेरे संसदीय क्षेत्र मुजफ्फरनगर के ग्राम शेरनगर, विलासपुर आदि गांवों की उपजाऊ जमीन आवासीय कॉलोनी के नाम पर अधिगृहित कर बाद में उसे सत्तासीनों द्वारा महंगे दामों पर बेचा जाएगा । इससे किसानो में भारी रोष है| किसान की यदि जमीन चली जाती है तो उसका सब कुछ चला जाता है, कुछ भी शेष नहीं बचता है | इससे पूर्व भी वहीं बराबर के गाँव के किसानों को आवास विकास का भय दिखाकर उनकी जमीन औने-पौने दाम पर खरीद ली गयी और बिल्डर द्वारा उसे 1 लाख रूपये गज की ऊँची कीमत पर बेचा गया| प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेसवे का लेआउट प्लान सत्तासीनों द्वारा लीक कराकर वहाँ जमीन खरीदी और अब उसे महंगे दामों पर बेचा जा रहा है| मेरा अनुरोध है कि इसकी जांच करा कर तुरंत कार्यवाही की जाए और किसानों की जमीन न खरीदी जाए।